Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 6, Petersburg 1871

—, *des Anlauts verlustig gegangen* NIR. 10,34. अर्ध° KAUÇ. 63. ÇÂṄKH. ÇR. 14,40,26. 2,14,7. व्रतलुप्त *gekommen um* MBH. 13,1547. 4397. लुप्त n. *geraubtes —, gestohlenes Gut* ÇABDAR. im ÇKDR. — 4) *unterdrücken, beseitigen, verschwinden machen:* लुंप्यते und लुप्यंते *unterdrückt werden, verschwinden, verlorengehen, abfallen, ausfallen* (von Worten, Silben, Buchstaben): नवाह्नं लुम्पेत् WEBER, Nax. 2,283. ह्रस्वम् लुम्पन्ति ṚV. PRÂT. 14,13.15.19. fg. KÂR. zu P. 6,1,144. उदात्तस्तावत्सर्वान्स्वराँल्लुम्पति Schol. zu ṚV. PRÂT. 3,6. वृद्धिं लुम्पति यद्द्रव्यम् ÇÂRṄG. SAṂH. 1,4,21. अस्मत्संवत्सरं लुप्त्वा स्वं तमाविष्करिष्यति ÇATR. 14,103. इदं सृजत्यवति लुम्पति BHÂG. P. 7,3,27. 11,6,8. सृजस्यथो लुम्पसि पासि विश्वम् 10,48,21. अङ्गुलिस्वेदेन मे लुप्यन्ते ऽक्षराणि VIKR. 27,2. यावत् — रूपं कटिति न जरया लुप्यते प्रेयसीनाम् Spr. 2601. आर्यासि च्छन्दांसि लुप्येयुरक्षराणि LÂṬJ. 3,7,7. यदर्धर्चाल्लुप्येत TS. 3,2,9,5. ÇÂṄKH. ÇR. 13,1,8. LÂṬJ. 7,11,6. पुनरुक्तानि लुप्यन्ते पदानि ÇÂKALA in Ind. St. 4,278. ṚV. PRÂT. 4,9.12.26. VS. PRÂT. 4,34. TAITT. PRÂT. 1,10. Schol. zu AV. PRÂT. 4,16.60.64. fg. zu P. 1,2,64. तस्य भागो न लुप्यते M. 9,211. आयुषो ऽतिप्रवृद्धस्य भार्यार्धे ऽर्धमलुप्यत MBH. 1,980. वार्त्तायां लुप्यमानायामारब्धायां पुनः पुनः BHÂG. P. 3,30,12. सत्यपाशेन संरुद्धः स्नेहस्तस्य न लुप्यते (*reisst nicht*) R. GORR. 2,50,18. स्मृतिर्मे देवि लुप्यते 66,58. व्रतमस्य न लुप्यते M. 2,189. कृत्वा मम परित्राणं तव धर्मो न लुप्यते MBH. 1,7803. 13,2543. HARIV. 5979. MÂRK. P. 20,55. 134,22. 135,26. लुप्त *unterdrückt, verschwunden, zu Nichte geworden, verlorengegangen, abgefallen:* लुप्तजप ÂÇV. ÇR. 2,19,3. लुप्तवर्णपदं ग्रस्तम् AK. 1,1,5,20. H. 266. HALÂJ. 1,142. MÂRK. P. 132,4. SÂH. D. 219,17. Schol. zu P. 1,1,62. VOP. 1,13. 3,16. नो लुप्तं सखि चन्दनं स्तनतटे Spr. 622. KATHÂS. 86,116. घर्मलुप्ताम्बुसंपद् 87,31. 90,165. प्रकृति MBH. 5,797. °स्मृति 14,37. °धर्मक्रिया M. 8,226. BHAG. 1,42. R. 5,51,14. RAGH. 3,40. 14,36. 49. 56. VARÂH. BṚH. 15,2. RÂGA-TAR. 1,358. 6,124. 298. 8,1816. ÇATR. 14,158. BHÂG. P. 3,15,9. 4,2,13. MÂRK. P. 39,59. भवेदलुप्तश्च मुनेः क्रियार्थः RAGH. 2,55. BHÂG. P. 3,23,38. अलुप्तधर्म MBH. 16,204. KATHÂS. 74,124. 78,7. 84,58. Schol. zu KAP. 1,19. शशलुप्तं n. wohl *das Verschwinden nach Hasenart* P. 6,2,145, Sch. — 5) लुंप्यति (विमोहने) DHÂTUP. 26,126. erhält den Bindevocal SIDDH. K. zu P. 7,2,10. लुप्यमान *sich verwirrend* MAITRJUP. 3,2. 6,30; vgl. लुभ्. — Vgl. अनर्थलुप्त, इन्द्रलुप्त.

— caus. लोपयति, aor. अलूलुपत् und अलुलोपत् SIDDH. K. zu P. 7,4,3. VOP. 18,3. 1) *Etwas unterlassen, versäumen; zuwiderhandeln, verletzen;* mit acc. der Sache: कुतो दायाँल्लोपयेद्ब्राह्मणानाम् (दायाल्लो° ed. Calc.) MBH. 5,714. प्रत्युत्थानं च कृष्णस्य — न लोपयति 7,2822. यथावयो हि राज्यानि प्राप्नुवन्ति नृपक्षये । इक्ष्वाकुकुलनाथे ऽस्मिंस्तल्लोपयितुमिच्छसि (तं लो° ed. Bomb., der Comm. ergänzt आचारम्) R. 2,35,9. विक्रीतमाहितं क्रीतं यत्पित्रा जीवता मम । न तल्लोपयितुं शक्यं मया 111,28. धर्मम् M. 8,16. MBH. 12,3378. सत्यम् Spr. 4434. — 2) *Jmd um Etwas bringen, von Etwas abbringen:* सत्याद्गुरुमलोपयन् RAGH. 12,9.

— intens. लोलुप्यते (भावगर्हायाम्) P. 3,1,24. *Jmd verwirren:* न त्वा कामा बहवो लोलुपन्तः KAṬHOP. 2,4.

— अप 1) *ausraufen, abtrennen:* तृणानि ÇAT. BR. 2,4,1,9. तस्माद्देवास्तमो ऽपालुम्पन् KÂṬH. 12,13. — 2) pass. *abfallen* AIT. BR. 3,19. ये गर्भा अवपद्यन्ते जगद्यच्चापलुप्यते *fällt* AV. 5,17,7. — Vgl. अपलुप्.

— अभि *rauben, plündern:* चौराणामभिलुम्पताम् BHÂG. P. 4,14,38.

— अव 1) *abtrennen, abstreifen* TS. 3,2,2,1. TAITT. ÂR. 10,31. अवलुप्तजरायु SHAḌV. BR. 1,3. 2,2. — 2) *Jmd packen, über Jmd herfallen:* वृकवच्चावलुम्पेत Spr. 2695. द्रष्टारमवलुम्पेय्यथा वृकः 3615. 478. वृकावलुप्तं n. *das Packen nach Wolfsart* P. 6,2,145, Sch. — 3) *entreissen:* अन्योऽन्यस्यावलुम्पन्ति सारमेया यथामिषम् । राजन्या भरतश्रेष्ठ भोक्तुकामा वसुंधराम् ॥ MBH. 6,381. — 4) *unterdrücken, verschwinden machen:* सृजतीदमव्ययो य एव रक्षत्यवलुम्पते च यः BHÂG. P. 7,2,39. ये बुद्ध्या क्रोधमुत्थितम् । प्रदीप्तमवलुम्पन्ति दीप्तमग्निमिवाम्भसा ॥ Spr. 1311. — Vgl. अवलुम्पन, अवलोप fg.

— अन्वव pass. *nach Jmd abfallen* PAṄKAV. BR. 6,3,12.

— आ 1) *ausraufen:* वालान् ÇAT. BR. 3,4,1,17. तृणानि KÂTJ. ÇR. 25,1,18. — 2) *abtrennen* AIT. BR. 1,17. — 3) *herabfallen lassen* (in Theilen): यथाज्यमालुम्पेत्स्रुचो अग्नये AV. 12,4,34. — 4) pass. *eine Störung erleiden, unterbrochen werden:* अग्नैस्तावन्मुकुरुपचितैर्दृष्टिरालुप्यते मे MEGH. 103.

— व्या *zu Nichte machen:* अङ्गग्लानिम् MEGH. 71. pass. *verschwinden, zu Nichte werden* LA. 20,20.

— उद् *herausgreifen, herausfischen* (z. B. aus einer Brühe): घृतादुल्लुप्तम् AV. 5,28,14. SUÇR. 1,230,13. 17. KAUÇ. 19. 72. उल्लोपम् absol. 43. — Vgl. उल्लोप्य.

— समुद् *aufgreifen, wegnehmen, to pick up:* प्रस्तरम् ÇAT. BR. 2,5,2,42. 6,1,45. समुल्लुप्य यज्ञमन्यत्कर्तुं दध्रिरे 9,5,1,19. KÂTJ. ÇR. 8,2,11.

— नि *rauben:* निलोपं (absol.) हरति VJUTP. 127. निलोपहारक ebend.

— परि 1) *wegnehmen* AIT. BR. 6,14. *entfernen, zu Nichte machen:* दीपिकालोकपरिलुप्यमानतिमिरभार DAÇAK. 72,12. fg. pass. *wegfallen* ṚV. PRÂT. 2,4. — 2) *beseitigen:* आचार्यशास्त्रम् — अस्माकमपरिलुप्तं यथा स्यात् Schol. zu ṚV. PRÂT. 1,16. — Vgl. परिलोप.

— विपरि, partic. °लुप्त *aufgehoben, zu Nichte gemacht* ÇAṂK. zu BṚH. ÂR. UP. S. 213. — Vgl. विपरिलोप.

— प्र 1) *ausraufen:* दर्भान्केचित्प्रलुम्पन्ति हस्तैः HARIV. 12228. — 2) *rauben:* ब्राह्मणस्य प्रशान्तस्य हविर्ध्वाङ्क्षैः प्रलुप्यते Spr. 1998. क्रव्याद्भिरङ्गलतिका नियतं प्रलुप्ता (विलुप्ता ed. Cow.) UTTARAR. 56,6. महामोहप्रलुप्तस्मृति Spr. 3719. प्रलुप्तः पितृपिण्डतः *gekommen um* MÂRK. P. 31,1. — Vgl. प्रलोप.

— विप्र 1) *entreissen, rauben:* उभयोर्हस्तयोर्मुक्तं यदन्नमुपनीयते । तद्विप्रलुम्पन्त्यसुराः सहसा M. 3,225. MBH. 13,4292. विप्रलुप्तं च वो राज्यं नृशंसेन 5,2834. — 2) *heimsuchen:* प्रजा यस्य — अनर्थैर्विप्रलुप्यन्ते MBH. 12,5242. — 3) *stören, unterbrechen:* तपः — तद्विप्रलुप्तम् BHÂG. P. 7,8,43.

— संप्र *rauben* oder *schänden:* कुमार्यः संप्रलुप्यन्ते MBH. 12,3401.

— वि 1) *zerreissen, zerpflücken, abreissen:* शकुन्तनिवहैर्विषाग्विलुप्तच्छदः (तरुः) Spr. 922. मार्जार इव दुर्वृत्तस्तमेव (हस्तम्) हि विलुम्पति 1166. *ausreissen:* मूढस्याङ्गे ऽङ्गे लोम लोम मे । नखैर्व्यलुम्पन्दन्तैश्च KATHÂS. 37,127. विलुम्पन्तश्च केशांश्च मज्जाश्च वक्षुधा MBH. 7,3586. वपाम् 1976. — 2) *entreissen, wegnehmen, fortnehmen, rauben:* यजमानस्य रेतः AIT. BR. 6,9. दूर्शम् KAUÇ. 85. परस्परं विलुम्पन्ति सारमेया यथामिषम् MBH. 12,4489. रक्षांसि हि विलुम्पन्ति श्राद्धमारक्षवर्जितम् M. 3,204. Spr. 478, v. l. BHÂG. P. 5,13,10. 14,2. यासां बलिः — हंसैश्च सारसगणैश्च

Institute of Indology & Tamil Studies, Cologne University, Germany 9.2.2007